पुजारली पंचायत, शिमला में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम की रिपोर्ट

Report on Van Mahotsav program organized at Pujarli Panchayat, Shimla

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला एवं पुजारली पंचायत, शिमला ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 04 अगस्त, 2023 को होरी पुजारली, शिमला में गेहर नाला के समीप वन भूमि में पंचायत के स्थानीय निवासियों एवम प्रभा शक्ति स्वयं सहायता समूह होरी सदस्यों के साथ मिलकर 74वें वन-महोत्सव का आयोजन किया । कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा द्वारा देवदार का पौधा लगाकर किया गया । उन्होनें कहा कि इसकी शुरुआत 1950 में तत्कालीन कृषि मंत्री कन्हैयालाल माणिक्यलाल मुंशी ने की थी, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है । डॉ॰ शर्मा ने, कहा की भारत में प्रति व्यक्ति मात्र 28 पौधे हैं जोकि विश्व औसत से बहुत कम हैं तत्पश्चात उन्होने पुजारली पंचायत की प्रधान श्रीमति मीना कश्यप की सराहना करते हुए कहा कि प्रधान महोदया ने स्वयं संस्थान को पौधारोपण के इस नेक कार्य हेतु आमंत्रित कर भूमि अपलब्ध कारवाई और कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सहयोग भी किया । डॉ. शर्मा ने पुजारली पंचायत ग्रामवासियों को लगाए गए पौधों की सुरक्षा व देखभाल का संकल्प दिलवाया ।

डॉ.जगदीश सिंह, वैज्ञानिक- जी, प्रभाग प्रमुख विस्तार, ने कहा कि इस अवसर पर खिड़क, व्यूल, कचनार, वान, व देवदार के 400 पौधे रोपे जा रहे हैं । जिससे क्षेत्र में मिश्रित वन तैयार होगा, जो स्थानीय लोगों की चारा एवं लकड़ी की जरूरतों को पूरा करेगा । मिश्रित वन होने से आग की सम्भावना को भी कम किया जा सकता है । उन्होंने कहा कि वृक्ष वातावरण में उत्सर्जित कार्बन डाई-आक्साईड गैस को ग्रहण कर हमारे जीवन के लिये अतिआवश्यक आक्सीजन देता है । इसके अतिरिक्त हमें अनेक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ होने के साथ-साथ पर्यावरण का संतुलन भी बना रहता है । डॉ. जोगिंदर सिंह मुख्य तकनीकी अधिकारी ने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि गेहर नाला के आस पास पौधरोपण भू-अपरदन को कम करेगा और वहाँ की मिट्टी स्थिर करेगा । पंचायत प्रधान श्रीमती मीना कशयप ने संस्थान का धन्यवाद किया और उनके ने क्षेत्र में चारा बैंक स्थापित करने का आग्रह किया । वृक्षारोपण कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों, एवं पुजारली पंचायत के स्थानीय निवासियों ने भाग लिया । कार्यक्रम के आयोजन में डॉ.जगदीश सिंह, वैज्ञानिक- एफ, डॉ. जोगिंदर सिंह मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्रीमति रीना कश्यप, प्रधान, श्री कुलवंत राय, श्री स्वराज, श्री राजेंदर पाल एवं श्री मूरत सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई ।

कार्यक्रम की झलकियाँ

मीडिया कवरेज़

पुजारली के ग्रामीणों ने पौधारोपण कार्यक्रम में लगाए 400 पौधे

शिमला : पौधारोपण करते हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला एवं पुजारली पंचायत के लोग। (छाया)

शिमला, 4 अगस्त (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला एवं पुजारली पंचायत शिमला ने गेहर नाला के समीप वन भूमि में पंचायत के स्थानीय निवासियों एवं प्रभा शक्ति स्वयं सहायता समूह होरी सदस्यों के साथ मिलकर 74वें वन महोत्सव का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के निदेशक डा. संदीप शर्मा द्वारा देवदार का पौधा लगाकर किया गया। उन्होंने कहा कि भारत में प्रति व्यक्ति मात्र 28 पौधे हैं जोकि विश्व औसत से बहुत कम हैं।

पुजारली पंचायत की प्रधान मीना कश्यप ने कहा कि स्वयं संस्थान को पौधारोपण के इस नेक कार्य के लिए आमंत्रित कर भूमि उपलब्ध करवाई। डा. शर्मा ने पुजारली पंचायत ग्रामवासियों को लगाए गए पौधों की सुरक्षा व देखभाल का संकल्प दिलवाया।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर खिड़क, ब्यूल, कचनार, बान व देवदार के 400 पौधे रोपे गए, जिससे क्षेत्र में मिश्रित वन तैयार होगा, जो स्थानीय लोगों की चारा एवं लकड़ी की जरूरतों को पूरा करेगा। मिश्रित वन होने से आग की सम्भावना को भी कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वृक्ष वातावरण में उत्सर्जित कार्बन डाईऑक्साइड गैस को ग्रहण कर हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन देता है। इसके अतिरिक्त हमें अनेक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ होने के साथ-साथ पर्यावरण का संतुलन भी बना रहता है। पौधारोपण कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पुजारली पंचायत के स्थानीय निवासियों ने भाग लिया।

पुजारली में रोपे बान और कचनार के पौधे

शिमला। पुजारली पंचायत में शुक्रवार को आजादी के अमृत महोत्सव के तहत पौधरोपण अभियान चलाया गया। हिमालय वन अनुसंधान और पुजारली पंचायत के लोगों ने होरी, पुजारली तथा गेहर नाला में बान, खड़क, ब्यूल और कचनार के 400 पौधे रोपे। हिमालय वन अनुसंधान के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने पौधों की सुरक्षा और देखभाल का संकल्प दिलाया। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. जगदीश सिंह ने कहा कि पौधरोपण से मिश्रित वन तैयार होगा। मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. जोगिंद्र सिंह ने कहा कि इससे भू-अपरदन कम होगा। कार्यक्रम में पुजारली पंचायत की प्रधान मीना कश्यप, कुलवंत राय, स्वराज, राजेंदर पाल, मूरत सिंह, युवक मंडल ब्यूलिया के प्रधान हेमचंद उपप्रधान सुनील कंवर, महासचिव पंकज शर्मा, सदस्य विक्की कंवर, नरेश ठाकुर, हरीश शांडिल, नीनी, दिनेश और पीयूष मौजूद रहे। संवाद

****